ओ0पी0 सिंह
आई0पी0एस0

डीजी परिपत्र संख्या – 44 /2019
पुलिस महानिदेशक,
उत्तर प्रदेश
पुलिस भवन, गोमती नगर विस्तार, लखनऊ
दिनांक: सितम्बर 28, 2019

विषयः–एक ही घटना के सम्बन्ध में जनपद में एक से अधिक प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज किये जाने के सम्बन्ध में दिशा–निर्देश।

प्रिय महोदय,

आप सभी अवगत है कि एक ही समय, स्थान व तिथि पर आपराधिक घटना के सम्बन्ध में द0प्र0सं0 1973 की धारा 154 के अन्तर्गत एक ही एफ0आई0आर पंजीकृत किये जाने का प्राविधान है, जिसके सम्बन्ध में इस मुख्यालय के निर्गत परिपत्र डीजी–21/2016 द्वारा विस्तृत दिशा–निर्देश निर्गत किये गये है, जिसमें एक ही घटना के सम्बन्ध में पक्षकारों द्वारा एक से अधिक एफ0आई0आर दर्ज करायी जाती है तब इन Multipul एफ0आई0आर0 की विवेचना के सम्बन्ध में पूर्व के परिपत्र में दिशा–निर्देश निर्गत किये गये है, जिसमें मा0 सर्वोच्च न्यायालय द्वारा उपकार सिंह बनाम वेद प्रकाश व अन्य (2004) 13 SCC 292 तथा टी0टी0 एन्टोनी बनाम केरल राज्य व अन्य (2001) 6 SCC 181 में पारित निर्णय में दिये गये निर्देशों का उल्लेख किया गया है।

संज्ञान में आया है कि इस मुख्यालय द्वारा पूर्व में निर्गत उक्त परिपत्र में दिये गये दिशा–निर्देशों का कतिपय जनपदों द्वारा अनुपालन नहीं किया जा रहा है। मा0 उच्च न्यायालय इलाहाबाद खण्डपीठ लखनऊ द्वारा जमानत सं0–8741/2019 सुरेन्द्र उर्फ फन्ना बनाम उ0प्र0 राज्य में पारित आदेश दिनांक 13.09.2019 में एक ही घटना की 02 एफ0आई0आर0 पंजीकृत किये जाने पर सुनवाई के दौरान निम्न निर्देश दिये गये हैं :–

The present bail application has been filed on behalf of applicant in Case Crime No. 356 of 2018, under Sections 379, 411 I.P.C., P.S. Tambaur, District Sitapur with the prayer to enlarge him on bail.

Learned counsel for the applicant submitted that on the written complaint of Shatrohan s/o Badri, Village Lauki Majra Kurtahiya, P.S. Tambaur, District Sitapur, the complaint was entered into the General Diary No. 27 at 14:12 hours on 08.12.2018 at P.S. Rausa, District Sitapur and it was alleged by the complainant that on 30.11.2018 at about 11:00 p.m. when he went to ease himself outside his house, then he found that his 2 Buffaloes valuation of Rs. 50,000/- were missing then search was started alongwith his son and when informant and his son reached at the turning point of Mansab Kha Purwa then they found that one person was going alongwith his buffaloes the informant tried to stop him then the accused person opened fire on him. As the accused person was identified by the son of informant as Surendra Verma @ Fanna (applicant) and thereafter, the son of the informant dialed Dial 100 and the injured was brought to the Health Center, Rausa by the police from where he was referred to Trauma Center, Lucknow and after revovery the complaint was filed on 08.12.2018. On the basis of aforesaid complaint, the Case Crime No. 329 of 2018, under Section 307 I.P.C. was registered on 08.12.2018 at 14:12 hours at P.S. Rausa, District Sitapur.

Learned counsel for the applicant further submitted that the aforesaid complaint was again entered in General Diary by the Station House Officer, P.S. Tambaur, District Sitapur as General Diary No. 34 on 08.12.2018 at 16:21 hours and it was registered as F.I.R. No. 356 of 2018, under Section 379, 411 I.P.C., P.S. Tambaur, District Sitapur on 08.12.2018 at 16:21 hours.

Scanned by CamScanner

Learned counsel for the applicant further submitted that two F.I.R.s of the same complaint cannot be registered in different police stations and he further submitted that in F.I.R. No. 329 of 2018, under Section 307 I.P.C., P.S. Rausa, District Sitapur, the applicant has been enlarged on bail by this Court in Bail Application No. 5870 of 2019 vide order dated 14.06.2019 and the photocopy of the aforesaid order provided by the counsel for the applicant is taken on record.

Learned A.G.A. opposed the bail prayer to the applicant but fairly conceded the fact that on the same complaint two F.I.R.s have been lodged, one as F.I.R. No. 329 of 2018 (supra) and second as F.I.R. No. 356 of 2018 (supra).

Further it is found that the D.G.P., U.P. has issued circular No. DG21 of 2016 dated 26.04.2016 on the basis of different reported incidents to the police two F.I.R.s cannot be registered for the same version and it is found that in the present case there is a clear violation of the aforesaid circular.-----

अतः आप सभी को पुनः निर्देशित किया जाता है कि इस मुख्यालय से निर्गत परिपत्र सं0 21/10 का भली–भॉति अध्ययन कर अपराध गोष्ठियों में चर्चा करते हुये अधीनस्थों को अवगत कराते हुये उसका पूर्णतयाः अनुपालन कराना सुनिश्चित करें। यदि भविष्य में संज्ञान में आता है कि किसी प्रकरण में दिये गये दिशा–निर्देशों का अनुपालन नहीं किया जा रहा है तो सम्बन्धित जिला पुलिस प्रभारी इसके लिये व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होगें।

भवदीय

(ओ0पी0 सिंह)

समस्त वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक प्रभारी जनपद
उ0प्र0।

प्रतिलिपिः–निम्नलिखित को कृपया सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

1. समस्त जोनल अपर पुलिस महानिदेशक उ0प्र0।
2. समस्त पुलिस महानिरीक्षक/उपमहानिरीक्षक परिक्षेत्र उ0प्र।

Scanned by CamScanner